



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 546] नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 21, 1976/अग्रहायण 30, 1898

No. 546] NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 21, 1976/AGRAHAYANA 30, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Textiles)

ORDER

New Delhi, the 21st December 1976

S.O. 814(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, namely:—

1. (1) This Order may be called the Cotton Textiles (Control) (Third Amendment) Order, 1976.

(2) It shall come into force on the 1st day of January, 1977.

2. In the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, after clause 20C, the following shall be inserted, namely:—

“20D. (1) Save in accordance with a permission, in writing, issued by the Textile Commissioner, no manufacturer shall produce yarn without using man-made cellulosic and non-cellulosic staple fibre which shall in no case be less than 10 per cent of his total fibre consumption in a quarter:

Provided that in computing the total fibre consumption, the fibre used in the production specified for exports and the fibre used for the production of yarn of 18s counts and below shall not be taken into account.

Explanation.—For the purpose of this sub-clause, a quarter means, any of the quarters in a year as specified below:—

1. 1st of April to 30th of June.
2. 1st of July to the 30th of September.
3. 1st of October to the 31st of December.
4. 1st of January to the 31st of March.

(2) In granting or refusing permission under sub-clause (1), the Textile Commissioner shall have regard to the following matters, namely:—

- (a) the capacity of the manufacturer to consume different types of fibres in the production of yarn;
- (b) any other relevant circumstance."

[No. F. 12/43/76-CTM]

R. RAMAKRISHNA, Jt. Secy.

वाणिज्य संचालय

(टेक्सटाईल विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर, 1976

क्रा० प्रा० 814 (अ).—केन्द्रीय सरकार आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सूती वस्त्र (निर्यतन) आदेश, 1948 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश देती है, अर्थात्:—

1. (1) इस आदेश का नाम सूती वस्त्र तृतीय (निर्यतन) संशोधन आदेश, 1976 है।
- (2) यह 1 जनवरी, 1977 से प्रवृत्त होगा।

2. सूती वस्त्र (निर्यतन) आदेश, 1948 में, खंड 20ग के पश्चात् निम्नलिखित अन्तः-स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"20घ. (1) वस्त्र आयुषत द्वारा जारी की गई लिखित अनुज्ञा के अनुसरण में के सिवाय, कोई भी विनिर्माता कृत्रिम सेल्यूलोसिक और असेल्यूलोसिक स्टेपल फाइबर का प्रयोग किए बिना, जो कि एक तैमास में उसके कुल फाइबर के उपयोजन के 10 प्रतिशत से किसी भी वक्ता में कम नहीं होगा, सूत का उत्पादन नहीं करेगा :

परन्तु कुल फाइबर उपयोजन की संगणना करने में, निर्यात के लिए विनिर्दिष्ट उत्पादन में प्रयुक्त फाइबर तथा 18 काउन्ट और उससे कम के धागे के उत्पादन में प्रयुक्त फाइबर हिसाब में नहीं लिया जाएगा।

स्पष्टीकरण : इस उप-खंड के प्रयोजन के लिए "तैमास" से किसी वर्ष में नीचे विनिर्दिष्ट तैमासों में से कोई अभिप्रेत है:—

1. 1 अप्रैल से 30 जून तक।
2. 1 जुलाई से 30 सितम्बर तक।

3. 1 अक्टूबर से 31 दिसम्बर तक ।

4. 1 जनवरी से 31 मार्च तक ।

(2) उप-खंड (1) के अधीन अनुज्ञा स्वीकार करने या उससे इस्कार करने में वस्तु-आयुक्त निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखेगा, अर्थात् —

(क) धागे के उत्पादन में विभिन्न प्रकार के काइबरों का उपयोजन करने की विनिर्माता की क्षमता ,

(ख) कोई अन्य सुसंगत परिस्थिति ।”

[सं० फा० 12/43/76—सी टी एम]

आर० रामकृष्ण, संयुक्त सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मंत्रालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित तथा
निबंधक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1976

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1976

